NEWS CLIPPING: 29.08.2021

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University signs MoU with CSIR-NIScPR

TIT Correspondent
info@impressivetimes.com

THE MOU WAS SIGNED BY THE REGISTRAR DR. S.K. GARG ON BEHALF OF J.C. BOSE UNIVERSITY AND DIRECTOR PROF. RANJANA AGGARWAL ON BEHALF OF CSIR-NISCPR, NEW DELHI.

FARIDABAD : To promote Science, Technology and Innovation (STI), Policy Studies and Science Communication, the J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has signed a memorandum of understanding (MoU) with CSIR-National Institute of Science Communication & Policy Research (CSIR-NIScPR), New Delhi. CSIR-NIScPR is a constituent laboratory of Council of Scientific and Industrial Research came into an existence in the year 2021 after the merger of CSIR-National Institute of Science Communication and Information Resources (CSIR-NISCAIR) and CSIR-National Institute Science, Technology and Development studies (CSIR-NISTADS) In the ceremony organized in the University, the MoU was signed by the Registrar Dr. S.K. Garg on behalf of J.C. Bose University and Director Prof. Ranjana Aggarwal on behalf of CSIR-NIScPR, New Delhi. The Program was coordinated by Director Industry Relations Dr. Rashmi Popli. Speaking on this occasion, Prof. Ranjana Aggarwal said that both the institutes have a long legacy of over 50 years. JC Bose University has a good hold on Industry-Academia relationship and has a strong alumni network whereas CSIR is a contemporary R&D organization. In this way, both the institutions can strengthen each other with their own capabilities and contributions by sharing resources including libraries and laboratories. She said that there has always been a different view of science in the country, due to which science has not been able to connect with society. In CSIR, our efforts are focused to connect science with society and we are working to promote Science Communication.

NEWS CLIPPING: 29.08.2021

PIONEER

जेसी बोस और सीएसआईआर के बीच समझौता

दोनों संस्थान मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, नीति अध्ययन और विज्ञान संचार को बढ़ावा देंगे

विज्ञान को समाज से जोड़ने के लिए मिलकर करना होगा काम : प्रो रंजना अग्रवाल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई), नीति अध्ययन और विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए, जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर), नई दिल्ली के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं।

एनआईएससीपीआर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक प्रयोगशाला है जो सीएसआईआर के दो संस्थान राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (निस्केयर) और राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान (निस्टैड्स) के विलय के बाद वर्ष 2021 में अस्तित्व में आया है।

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समझौते पर जेसी बोस विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली की ओर से निदेशक प्रो रंजना अग्रवाल ने हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम का संचालन निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली ने किया।

प्रो. रंजना अग्रवाल ने कहा कि दोनों संस्थानों की 50 से अधिक वर्षों की लंबी विरासत रही है। जेसी बोस विश्वविद्यालय की उद्योग-अकादमिक संबंधों पर अच्छी पकड़ है और पूर्व छात्रों का एक मजबूत नेटवर्क है जबकि सीएसआईआर मुख्य रूप से अनुसंधान एवं विकास संगठन है। इस तरह दोनों संस्थान पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं सहित अन्य संसाधनों को साझा करके अपनी क्षमताओं एवं योगदान से एक-दूसरे को मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान को लेकर हमेशा से एक अलग नजरिया रहा है, जिसके कारण विज्ञान समाज से नहीं जुड़ पाया है। इससे पहले कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच साझेदारी वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देगी जिससे समाज को लाभ होगा।

इस अवसर पर डीन प्लेसमेंट, एलुमनाई और कॉरपोरेट अफेयर्स, प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्रों के कौशल और रोजगार क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए उत्कृष्टता के नए केंद्र स्थापित किये हैं। साथ ही, विश्वविद्यालय ने शोध प्रकाशन में महत्वपूर्ण सुधार किया है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से विश्वविद्यालय को शोध की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी।

NEWS CLIPPING: 29.08.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के बीच हुआ समझौता

दोनों संस्थान मिलकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, नीति अध्ययन और विज्ञान संचार को देंगे बढ़ावा

फरीदाबाद, 28 अगस्त, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (एसटीआई), नीति अध्ययन और विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए, जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर), नई दिल्ली के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं।

समझौता हस्तांतरित करते कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर की निदेशक प्रो रंजना अग्रवाल। छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

एनआईएससीपीआर वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक प्रयोगशाला है जो सीएसआईआर के दो संस्थान राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (निस्केयर) और राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान (निस्टैड्स) के विलय के बाद वर्ष 2021 में अस्तित्व में आया है। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समझौते पर जेसी बोस विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर, नई दिल्ली की ओर से निदेशक प्रो रंजना अग्रवाल ने हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम का संचालन निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. रंजना अग्रवाल ने कहा कि दोनों संस्थानों की 50 से अधिक वर्षों की लंबी विरासत रही है।

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की उद्योग-अकादमिक संबंधों पर अच्छी पकड़ है और पूर्व छात्रों का एक मजबूत नेटवर्क है जबकि सीएसआईआर मुख्य रूप से अनुसंधान एवं विकास संगठन है। इस तरह दोनों संस्थान पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं सहित अन्य संसाधनों को साझा करके अपनी क्षमताओं एवं योगदान से एक दूसरे को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश में विज्ञान को लेकर हमेशा से एक अलग नजरिया रहा है, जिसके कारण विज्ञान समाज से नहीं जुड़ पाया है। सीएसआईआर में हमारे प्रवास विज्ञान को समाज से जोड़ने पर केंद्रित हैं और हम विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। इस सहयोग से दोनों संस्थान विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, अनुसंधान, नीति अध्ययन और विज्ञान संचार के क्षेत्र में एक साथ काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान पत्रकारिता को बढ़ावा देने में भी विश्वविद्यालय बड़ा योगदान दे सकता है। विश्वविद्यालय का कम्युनिटी कॉलेज एवं विभिन्न सामाजिक पहल ऐसे क्षेत्र हैं जहां दोनों संस्थान एक साथ मिलकर काम कर सकते हैं। इससे पहले कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि दोनों संस्थानों के बीच साझेदारी वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान को बढ़ावा देगी जिससे समाज को लाभ होगा। इस अवसर पर डीन प्लेसमेंट, एलुमनाई और कॉर्पोरेट अफेयर्स, प्रो. विक्रम सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्रों के कौशल और रोजगार क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए उत्कृष्टता के नए केंद्र स्थापित किये हैं। साथ ही, विश्वविद्यालय ने शोध प्रकाशन में महत्वपूर्ण सुधार किया है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से विश्वविद्यालय को शोध की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी। इससे पहले, डॉ मोहम्मद रईस ने सीएसआईआर और उसके नेटवर्क के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर विविध विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपने अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास के लिए जाना जाता है। देशभर में सीएसआईआर की 38 राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, 39 आउटरीच केंद्रों, 3 नवाचार परिसरों और 5 इकाइयों का एक गतिशील नेटवर्क है। सीएसआईआर की अनुसंधान एवं विकास में विशेषज्ञता होने के साथ-साथ 4600 सक्रिय वैज्ञानिक तथा लगभग 8000 तकनीकी कर्मियों का अनुभव भी जुड़ा हुआ है। संस्थान नये भारत के लिए नये सीएसआईआर के विजन के साथ काम कर रहा है। कार्यक्रम का समापन डीन (आर एंड डी) प्रो राजेश कुमार आहूजा के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। साथ ही, इस अवसर पर सीएसआईआर का साइंस रिपोर्टर प्रकाशन का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय से डीन (एफईटी) प्रो. एम.एल. अग्रवाल, डीन (एफआईसी) प्रो. कोमल कुमार भाटिया और लाइब्रेरियन डॉ. पी.एन. के बाजपेयी और एनआईएससीपीआर से चीफ साइंटिस्ट डॉ नरेश कुमार, चीफ साइंटिस्ट डॉ सुजीत भट्टाचार्य, सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ विपन कुमार, डॉ कनिका मलिक और डॉ मनीष मोहन गौड़ भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING: 29.08.2021

SATYAJAY TIMES

विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसर देने के लिए यूटोपियन ड्रीम्स से समझौता

फरीदाबाद, 27 अगस्त, सत्यजय टाईम्स/विजय चौहान। विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने सॉफ्टवेयर प्रदाता कंपनी यूटोपियन ड्रीम्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए। समझौता पर जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग और यूटोपियन ड्रीम्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी विकास चंद ने हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. संजीव कुमार, डिप्टी टीपीओ डॉ. ज्योति वर्मा और निदेशक इंडस्ट्री रिलेशन्स डॉ. रश्मि पोपली भी उपस्थित थीं।

सहभागिता पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों से संबंधित औद्योगिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम को अपग्रेड करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। उन्होंने आशा जताई कि इस सहभागिता से विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुप्रयोगों में मदद मिलेगी और उनका कौशल विकास होगा। इस अवसर पर बोलते हुए कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने कहा कि यह समझौता उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने की विश्वविद्यालय की रणनीतिक योजना का हिस्सा है ताकि विद्यार्थियों को डिग्री पूरी करने से पहले औद्योगिक अनुभव प्राप्त हो और वे खुद को औद्योगिकों के लिए तैयार कर सके। डीन प्लेसमेंट प्रो विक्रम सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की इंटर्नशिप नीति जिसमें विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया है, को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने तथा उन्हें व्यावहारिक परियोजनाओं का अनुभव प्रदान करने की दिशा में काम कर रहा है और इस समझौते से विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के अवसरों का लाभ मिलेगा।

NEWS CLIPPING: 29.08.2021

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस व सीएसआईआर एनआईएससीपीआर के बीच समझौता

फरीदाबाद। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए ने सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) नई दिल्ली के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समझौते पर जेसी बोस विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग और सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर के निदेशक प्रो. रंजना अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम का संचालन निदेशक इंडस्ट्री रिलेशंस डॉ. रश्मि पोपली ने किया। प्रो. रंजना अग्रवाल ने कहा कि दोनों संस्थानों की 50 से अधिक वर्षों की लंबी विरासत रही है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 29.08.2021

NAVBHARAT TIMES

विज्ञान संचार को मिलेगा बढ़ावा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: विज्ञान, टेक्नॉलजी, इनोवेशन व विज्ञान संचार को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएससीपीआर) के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किया है। यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में समझौते पर जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग व सीएसआईआर - एनआईएससीपीआर की तरफ से निदेशक प्रोफसर रंजना अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए।